# कार्यालय जिला सूचना अधिकारी पौड़ी गढ़वाल।

फोन/फैक्स न0– 01368–222283 Web site: uttarainformation.gov.in
Email: dio.pauri@yahoo.com, districtinformation.pauri@gmail.com

## प्रेस–विज्ञप्ति

**सू0वि0/पौड़ी गढ़वाल/दिनांक 1 जुलाई 2013**

मानसून पूर्व जनपद में आयी दैवीय आपदा से अभी तक जनपद स्थित आपदा परिचालन केन्द्र को कुल 1021 शिकायतें विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त हुई हैं जिनमें से 213 शिकायतों का निस्तारण कर लिया गया है तथा 808 लम्बित शिकायतों को निस्तारण हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। जनपद में 1235 सार्वजनिक विभागीय परिसम्पत्तियों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना प्राप्त हुई है जिनकी आवश्यक मरम्मत हेतु रू0 77 करोड़ 62 लाख की धनराशि का आंकलन किया गया है।

आज यहां आपदा परिचालन केन्द्र में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ आपदा से सम्बन्धित विभिन्न शिकायतों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी चन्द्रेश कुमार ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विभागीय क्षति का उप जिलाधिकारियों के माध्यम से संयुक्त निरीक्षण करवाते हुए उनके आंगणन यथासमय आपदा परिचालन केन्द्र को भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ तथा एनडीआरएफ के मद के तहत सड़क, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा, विद्युत सम्बन्धी क्षतिग्रस्त कार्यों के लिये शासन द्वारा धन उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को क्षतिग्रस्त योजनाओं का पंजीकरण आपदा कन्ट्रोल में भी दर्ज करने के निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि विभागों से प्राप्त आंगणनों का तकनीकि कमेटी द्वारा अनुमोदन के पश्चात ही धनराशि निर्गत की जायेगी। उन्होंने बताया कि अभी तक रू0 77 करोड़ की क्षति के सापेक्ष रू0 2 करोड़ की धनराशि प्राप्त हुई है जिसे कुछ विभागों को अग्रिम के रूप में दी गई है जिसका समायोजन विभागों द्वारा किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आपदा के दौरान त्वरित रूप से कार्य करें। इसके अलावा कृषकों की भूमि का कटाव व पशु हानि में भी तात्कालिक रूप से कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे मानसून अवधि में अपने अधीनस्थ कार्मिकों को उपस्थित रहने सम्बन्धी निर्देश जारी करें तथा इस कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने को कहा। उन्होंने क्षति की सूचना को निर्धारित प्रारूप में भेजने तथा समय–समय पर अपडेट करने के भी निर्देश दिये।

आपदा परिचालन केन्द्र में पत्रकारों से रूबरू होते हुए जिलाधिकारी ने मीडिया को अवगत कराया कि जनपद के आपदाग्रस्त क्षेत्र श्रीनगर के 181 परिवारों के 68 भवनों में मलबा घुस गया था जिसको हटाने के लिये 21 जून से 27 जून तक प्रशासन द्वारा 1635 मजदूरों को कार्य पर लगाया गया तथा उन्हें 350–00 रू0 प्रतिदिन की मजदूरी के हिसाब से 585400–00 रू0 का भुगतान कर दिया गया है। वर्तमान में श्रीनगर के 49 परिवारों को श्रीनगर स्थित विभिन्न धर्मशालाओं में एक–एक कमरा निवास हेतु उपलब्ध कराया गया है तथा 10 टैंकरों से पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में महामारी न फैले इसके लिये प्रतिदिन फौगिंग मशीन के माध्यम से तथा ब्लेचिंग आदि के द्वारा साफ–सफाई का अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि श्रीनगर में तीक्ष्ण रूप से क्षतिग्रस्त हुये भवन स्वामियों को एक–एक लाख रू0 की धनराशि ज़िला प्रशासन द्वारा वितरित की जायेगी। इसके अलावा अहैतुक सहायता के अन्तर्गत प्रभावित परिवारों को पूर्व में रू0 2700–00 की दर से

आपदा राहत राशि बांटी गई है। शासन द्वारा अब यह धनराशि बढ़ाकर 8000–00 रू0 कर दी गई है जिसका वितरण जिला प्रशासन द्वारा शीघ्र किया जायेगा। उन्होंने बताया कि आपदा से प्रभावित यात्रियों के लिये खांकरा–खेड़ाखाल–खिर्सू मोटरमार्ग को लगातार खोले जाने का प्रयास किया गया जिससे श्रद्धालुओं व पर्यटकों को यातायात की सुविधा प्राप्त हुई। इसके अलावा यात्रियों व पर्यटकों के लिये बुवाखाल व कोटद्वार में भोजन, पानी आदि की व्यवस्था भी जिला प्रशासन द्वारा की गई। जनपद के दूसरे आपदा प्रभावित क्षेत्र पैठाणी के आपदा प्रभावितों को खाद्य सामग्री के 50 पैकेट जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराये गये। उन्होंने पत्रकारों को अवगत कराया कि जनपद के 1235 सार्वजनिक परिसम्पत्तियों के लिये रू0 77 करोड़ 62 लाख की क्षति की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि पीड़ित लोगों को स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से भी भोजन आदि की व्यवस्था लगातार की जा रही है। उन्होंने मानसून को देखते हुए आगामी 3 माह का कन्टीजेंट प्लान के बारे में भी पत्रकारों को अवगत कराया जिसके तहत 25 किग्रा खाद्यान जिसमें आटा, चावल, दाल तथा 5 किग्रा अन्य सामग्री जिसके तहत तेल, मसाले, चीनी, चायपत्ती, दिया सलाई, मोमबत्ती आदि सम्मिलित हैं, की पैंकेटिंग करने की भी बात पत्रकारों को बतायी तथा इन पैकेटों को आपदा प्रभावितों को आपदा के दौरान वितरित कराया जायेगा। उन्होंने पत्रकारों को अवगत कराया कि दिव्य ज्योति संस्थान द्वारा श्रीनगर के आपदा प्रभावितों को 10–10 हजार रू0 के चैक जिला प्रशासन से सहयोग लेकर वितरित किये हैं। मानसून को देखते हुए जिले के श्रीनगर, पौड़ी व कोटद्वार में राहत सामग्री संचालन केन्द्र बनाये गये हैं ताकि भविष्य में घटने वाले किसी भी आपदा के समय प्रभावित लोगों को तत्काल राहत सामग्री मुहैया करायी जा सके। इसके अलावा श्रीनगर आपदा प्रभावित क्षेत्र में प्रभावित लोगों को किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाये इसलिये जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक खुद मौके पर डेरा जमाये हुये हैं।

प्रभारी जिला सूचना अधिकारी
पौड़ी गढ़वाल।